REGIONAL SEMINAR ON SECURITY MARKET

(Soch kar samajh kar invest kar)

महाविद्यालय में दिनांक 30/08/2022 को SEBI Investor Awareness Program के अंतर्गत Security Market पर एक Regional Seminar का आयोजन किया गया। सेमिनार के आयोजन का उद्देश्य छात्रों में सिक्योरिटी मार्केट के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का स्वागत एवं स्वागत भाषण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धेजी ने दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में इस प्रकार के आयोजनों की आवश्यकता को रेखांकित किया, साथ ही छात्रों को बढ़-चढ़कर इनमें सहभागिता करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास के कोषाध्यक्ष सीए आदित्य नामजोशीजी ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आपने छात्रों को अर्थव्यवस्था में सिक्योरिटी मार्केट के महत्व को समझाया तथा आयोजित सेमिनार को सिक्योरिटी मार्केट से संबंधित बारीकियों को प्रत्यक्ष रूप से समझने का सुनहरा अवसर बताया।

मुख्य वक्ता के रूप में NSE अहमदाबाद से पधारे श्री विकास पारीकजी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में सिक्योरिटी मार्केट, सिक्योरिटीज, इनका नियमन

करने वाली विभिन्न संस्थाएं, निवेश संबंधी मुख्य जोखिम, डिमैट अकाउंट खोलने की प्रक्रिया इत्यादि बिंदुओं को विस्तार से समझाया।

सेमिनार में दूसरे वक्ता NSDL से पधारे डॉ. ईशु तयालजी ने छात्रों को सिक्योरिटी मार्केट में निवेश के पहले क्या करें, निवेश कैसे करें, निवेश में जोखिम को कम कैसे करें, निवेशकों के अधिकार एवं दायित्व तथा सेबी की शिकायत निवारण प्रणाली इत्यादि पर मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत Raa Media Pvt. Ltd. से पधारे प्रत्यूष भास्करजी ने भी संबोधित किया। इन्होंने छात्रों को सिक्योरिटी मार्केट से संबंधित विभिन्न सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स के बारे में बताया, इनके माध्यम से छात्र सिक्योरिटी मार्केट के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

सेमिनार के अंत में वक्ताओं ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से छात्रों की जिज्ञासाओं को शांत किया। सेमिनार में महाविद्यालय एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 150 से अधिक छात्रों एवं शिक्षकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का संचालन कु. खुशी वानखेड़े, बीकॉम द्वितीय वर्ष ने किया तथा अतिथियों का परिचय कु. आशी नागर, बीकॉम द्वितीय वर्ष ने दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. केतकी त्रिवेदी ने आभार व्यक्त किया।